# जीवन –वृत्त

| | |
|---|---|
| नाम | दीपक |
| पद | अंशकालिक शिक्षक,<br>हिन्दी विभाग<br>चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय<br>सिरसा, (हरियाणा) |
| जन्म तिथि | 19 अगस्त, 1987 |
| ई-मेल | 1987dpk@gamil.com |
| मो. | 9468326880 |

**शैक्षणिक अर्हताएं :**

- हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ से 'स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाट्यालोचन :परम्परा एवं प्रतिमान'विषय पर पीएच.डी. की उपाधि, वर्ष: 2019
- हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ से 'इक्कीसवीं शताब्दी के हिंदी के प्रमुख युवा कवियों की कविताओं में विन्यस्त युगबोध' विषय पर एम.फिल. की उपाधि. वर्ष: 2013.
- हिंदी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ से एम.ए. (हिंदी) की उपाधि. वर्ष: 2011
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से नेट की परीक्षा उत्तीर्ण, वर्ष: 2013

---

**शिक्षण अनुभव :**

- सहायक प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग, राजकीय महाविद्यालय, नलवा, हिसार (2013-2014)
- अंशकालिक शिक्षक, हिंदी-विभाग, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा (2019-आज तक )

**शोध क्षेत्र एवं विशेषज्ञता:**

- हिन्दी नाट्यालोचन

**शोध-पत्र :**

- 'राम की शक्तिपूजा : विचारधारात्मक परिपेक्ष्य' शीर्षक शोध-आलेख 'संभाष्य' (अंक 2, ISSN2229-4066) में प्रकाशित, जुलाई- दिसंबर 2014, पृष्ठ 25-34.
- 'विचारधारा और साहित्य का अंतर्संबंध' शीर्षक शोध-आलेख 'journal of central university of Haryana' (अंक 2, ISSN2348-3377) में प्रकाशित, मार्च 2015 पृष्ठ 130-133.
- 'निर्मल वर्मा के उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन' शीर्षक शोध-आलेख 'मालती' (अंक 2, ISSN22785965) में प्रकाशित, जुलाई-दिसंबर 2015, पृष्ठ 45-47.
- 'आज के युग में अंधेरेमें की प्रासंगिकता' शीर्षक शोध-आलेख 'पुष्पांजलि' (अंक-2, ISSN2455-2232) में प्रकाशित, जनवरी-फ़रवरी 2017, पृष्ठ 4-7.
- 'साहित्य और समाज का अंत: संबंध' शीर्षक शोध-आलेख 'AJMS' (अंक-5, ISSN2348-7186) में प्रकाशित मई 2017,पृष्ठ-123-124.
- 'हिंदी नाट्यालोचन की परम्परा व भारतेंदु हरिश्चंद्र की रंगदृष्टि' शीर्षक शोध-आलेख 'पुष्पांजलि' (अंक-3, ISSN2455-2232) में प्रकाशित मई-जून 2017, पृष्ठ-105-106.
- 'नाट्यालोचक नेमिचंद्र जैन: रंगदृष्टि एवं आलोचनात्मक प्रतिमान' शीर्षक शोध-आलेख 'परिशोध' (अंक-1, ISSN2347-6648) में प्रकाशित 2018-2019, पृष्ठ-143-149.
- 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाट्यालोचन की उपलब्धियां' शीर्षक शोध-आलेख 'शोध समीक्षा और मूल्यांकन' (अंक-3, ISSN0974-2832) में प्रकाशित मई 2019, पृष्ठ- 87-88.
- 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाट्यालोचन की सीमाएं' शीर्षक शोध-आलेख 'बोहल शोध मंजूषा' (अंक-1, ISSN2395-7115) में प्रकाशित जनवरी 2022, पृष्ठ-125-131
- 'नाट्यालोचक गोविंद चातक और उनके आलोचनात्मक प्रतिमान' शीर्षक शोध-आलेख

'संगम' (अंक-1-2, ISSN2321-8037) में प्रकाशित जनवरी-फरवरी: 2022, पृष्ठ-171-175.

**संगोष्ठियाँ**

- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में 28 सितम्बर 2014 को आयोजित 'हिंदी कल आज और कल' विषयक संगोष्ठी में 'हिंदी की भारतीय बोलियाँ' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन.
- राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, जयपुर में 28-29 अक्टूबर 2014 को आयोजित 'हिंदी सिनेमा :समाज और सरोकार' विषयक संगोष्ठी में 'हिंदी सिनेमा और समाज' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन.
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 13-14 मार्च 2015 को आयोजित 'समकालीन हिंदी उपन्यास :सह-चिंतन' विषयक संगोष्ठी में 'अन्तिम अरण्य : जीवन की सांझ की एकांतवास की गाथा' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन.
- हिन्दू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 17-18 मार्च 2016 को आयोजित 'भक्तिकाव्य का उत्तर आधुनिक सन्दर्भ और हिंदी आलोचना' विषयक संगोष्ठी में 'स्त्री विमर्श के आइने में भक्ति काव्य' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन.
- रमेश झा महिला महाविद्यालय, सहरसा में 11-12अप्रैल 2016 को आयोजित 'देशज अस्मिता और रेणु का साहित्य' विषयक संगोष्ठी में 'तीसरी कसम :सिनेमा और साहित्य का सार्थक सामंजस्य' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन.
- राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन राजकीय महाविद्यालय ललितपुर में 24-25 फरवरी 2018 को आयोजित 'हिंदी साहित्य के व्यापक परिदृश्य में लोकसाहित्य का महत्त्व' विषयक संगोष्ठी में 'क्षेत्रीय रंगमंच तथा लोक व क्षेत्रीय साहित्य' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन.